KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

भाग - 3

आधुनिक भारत का इतिहास

अध्याय - 9

उपनिवेशवाद और देहात

भाग - 7

Pritesh Joshi

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

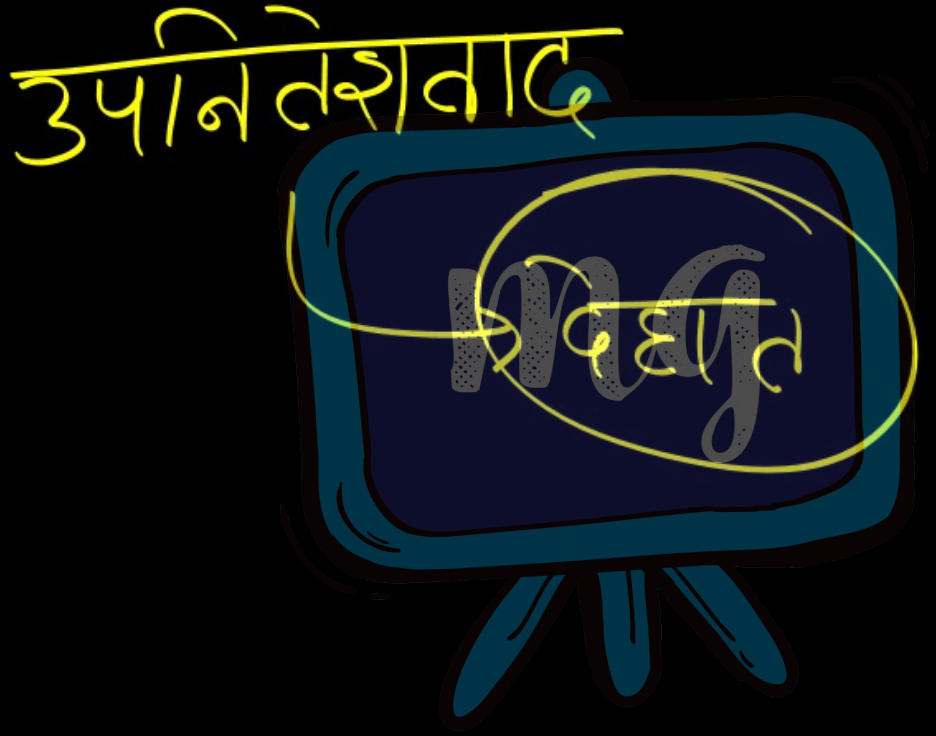

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5. दक्कन के रैयत ऋणदाताओं के प्रति क्रुद्ध क्यों थे?

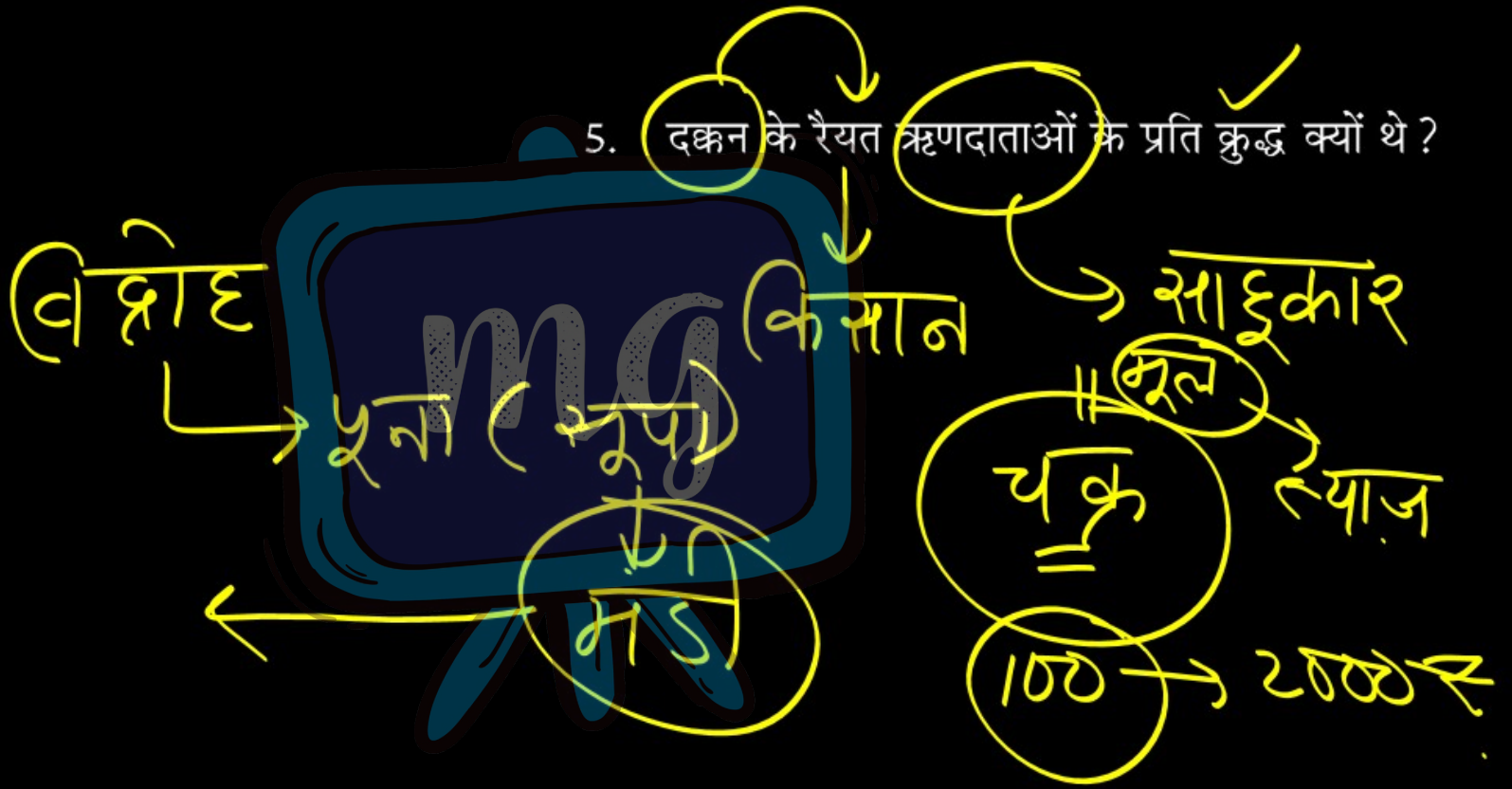

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

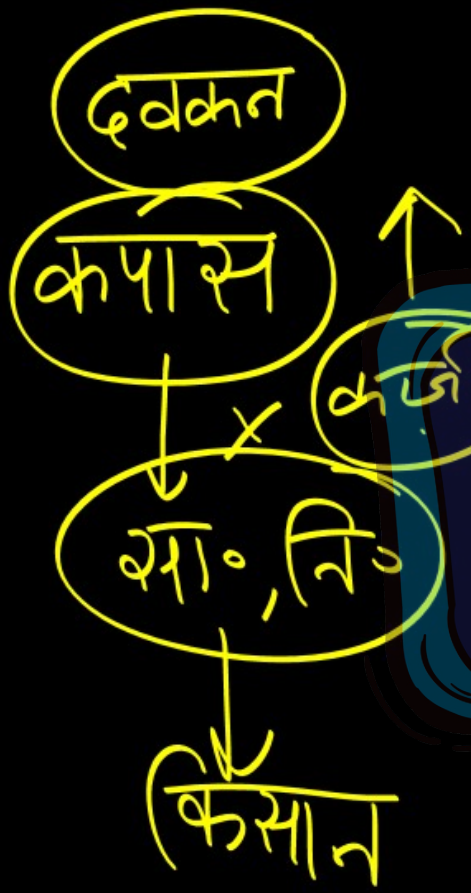

उत्तर : दक्कन के रैयत ऋणदाताओं के प्रति निम्नलिखित कारणों से क्रुद्ध थे –

1. दक्कन में ऋण का स्त्रोत सूख गया। वहीं दूसरी ओर राजस्व की मांग बढ़ा दी गयी। कंपनी उपज का लगभग 50 प्रतिशत रैयत से लेती थी। रैयत उस हालत में नहीं थी कि बढ़ी हुई मांग पूरी कर सके।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अकाल
कृषि ↓ ×
किसान ?

2. 1832 के बाद कृषि उत्पादों की कीमतों में तेजी से गिरावट आई। परिणामस्वरूप किसानों की आय में और भी गिरावट आ गयी। इस दौरान 1832–34 के वर्षों में देहाती इलाके अकाल की चपेट में आकर बर्बाद हो गये। दक्कन का एक तिहाई पशुधन मौत के मुंह में चला गया और आधी मानव जनसंख्या भी काल का ग्रास बन गयी और जो बचे, उनके पास भी उस संकट का सामना करने के लिए खाद्यान्न नहीं था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. कपास के निर्यात में आयी गिरावट के बाद साहूकारों ने ऋण देने से मना कर दिया।

4. साहूकार ब्याज पर ब्याज लगाते जाते थे। (चक्रवर्ती ब्याज)

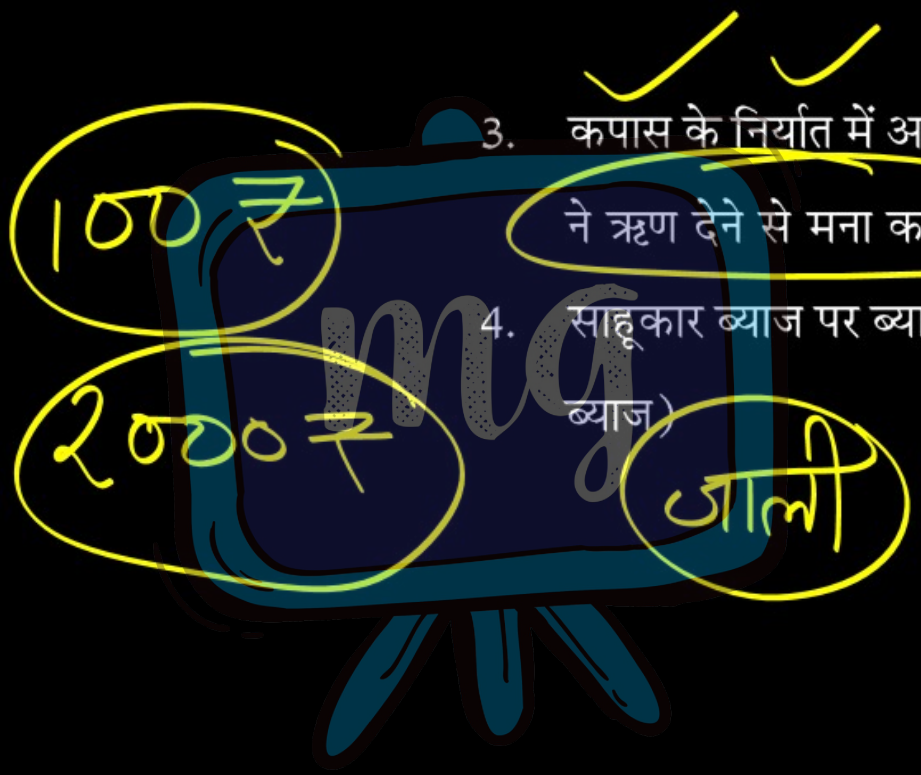

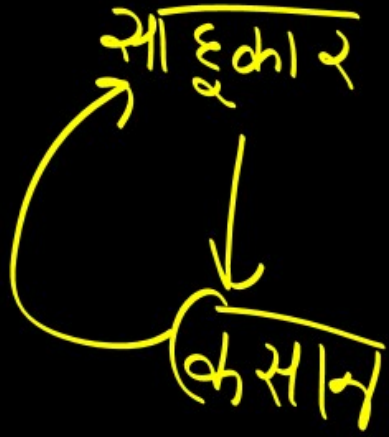

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

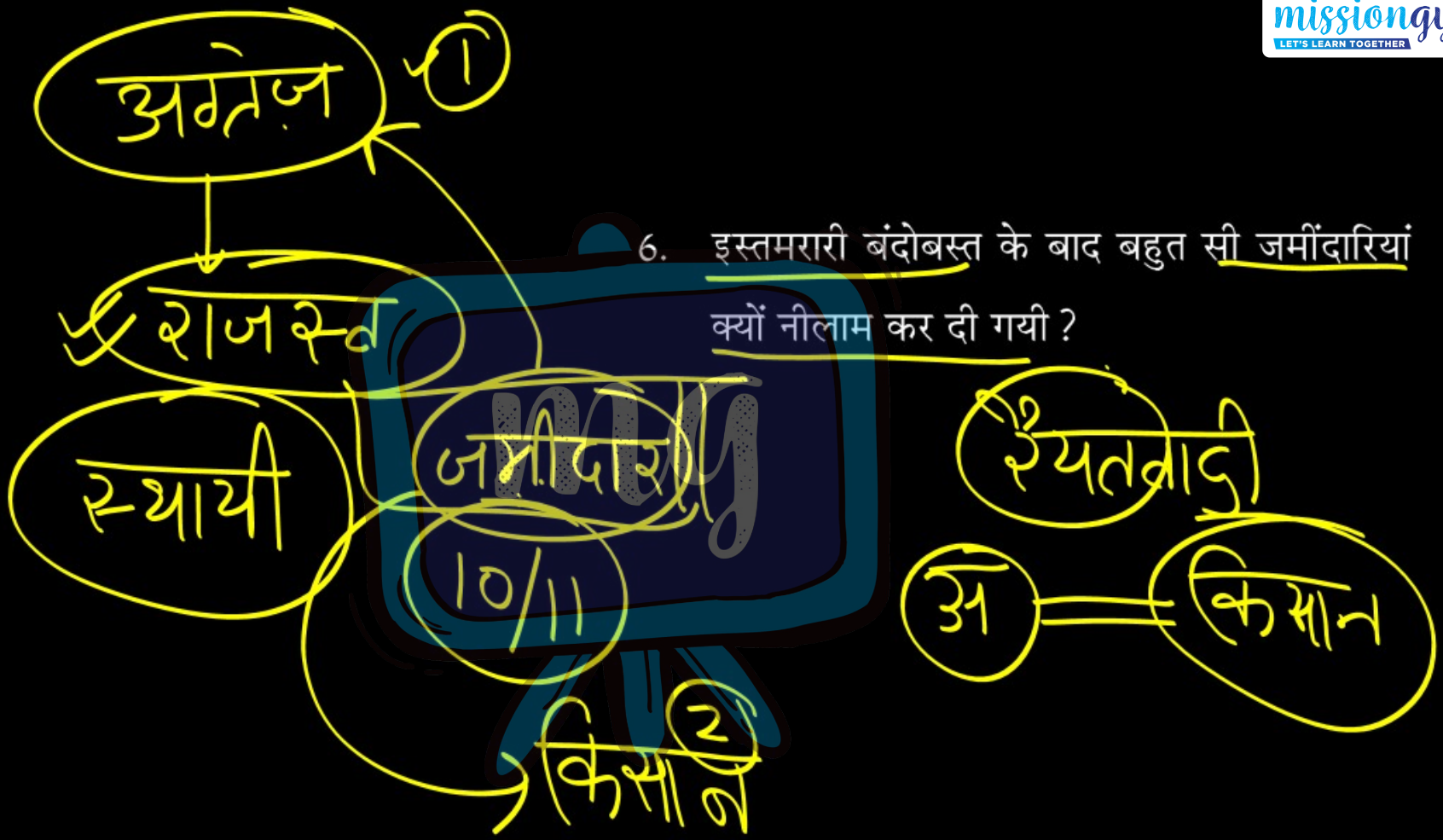

6. इस्तमरारी बंदोबस्त के बाद बहुत सी जमींदारियां क्यों नीलाम कर दी गयी ?

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : बंगाल के गवर्नर जनरल लॉर्ड कार्नवालिस ने 1793 में भू-राजस्व वसूली की एक नयी पद्धति प्रचलित की जिसे 'स्थायी बंदोबस्त' 'जमींदारी प्रथा' अथवा 'इस्तमरारी बंदोबस्त' के नाम से जाना जाता है।

लगान स्थायी कर दिया गया था।

जमींदार द्वारा समय पर लगान अदा नहीं किये जाने पर सूर्यास्त कानून के तहत जमींदारी नीलाम कर दी जाती थी।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

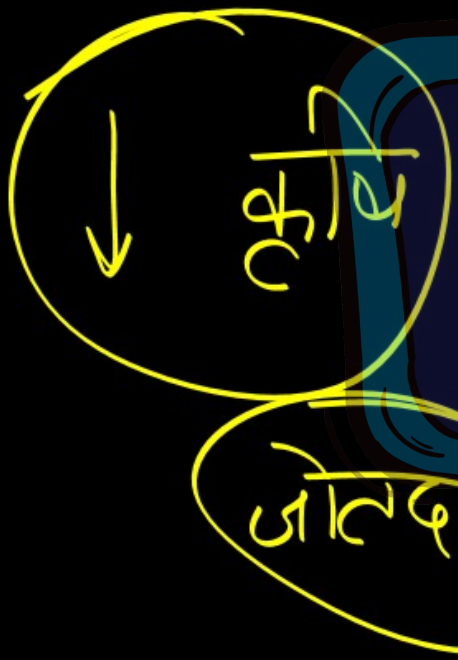

इसके अनेक कारण थे –

1. कम्पनी द्वारा निर्धारित प्रारम्भिक राजस्व माँगें अत्यधिक ऊँची थीं।
2. भू-राजस्व की ऊँची माँग का निर्धारण 1790 के दशक में किया गया था इस समय कृषि उत्पादों के मूल्य कम थे।
3. जमींदारों के अनेक विशेषाधिकारों को समाप्त कर दिया गया था –
4. जमींदार शक्ति के प्रयोग द्वारा राजस्व वसूली नहीं कर सकते थे।
5. रैयत समय पर लगान जमा नहीं करवाते थे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पहाड़िया

जमींदार
कर
व्यापारी
पेय कर

संथाल

7. पहाड़िया लोगों की आजीविका संथालों की आजीविका से किस रूप में भिन्न थी ?

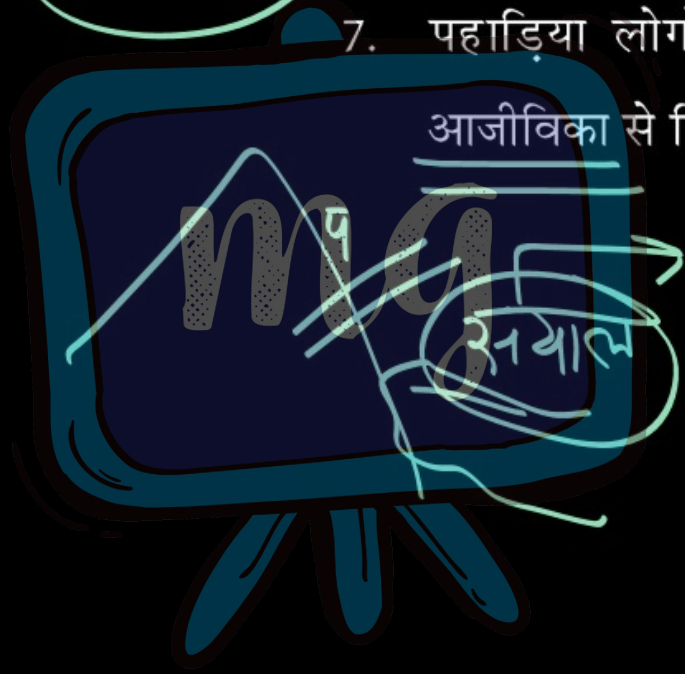

संथाल → अंग्रेज़

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर :

- पहाड़िया लोग राजमहल की पहाड़ियों के आस पास रहते थे और जंगल से प्राप्त वस्तुओं से आजीविका चलाते थे।
- संथाल लोग मुख्यत: कृषक थे। ब्रिटिश सरकार ने इन्हें जमीनें देकर राजमहल की पहाड़ियों की तलहटी में बसने के लिए तैयार किया था। जिससे सरकार के राजस्व में वृद्धि की जा सके।
- पहाड़िया लोगों की आजीविका संथालों की आजीविका से कई रूपों में भिन्न थी।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. पहाड़िया लोग झूम खेती करते थे और जंगल के उत्पादों से अपनी जीविकोपार्जन करते थे। किंतु संथाल स्थायी खेती करते थे।
2. पहाड़िया लोग खेती का कार्य मुख्यत: कुदाल के द्वारा करते थे जबकि संथाल हल से खेती करते थे। अपने परिश्रम से उन्होंने चट्टानी भूमि को भी अत्यधिक उपजाऊ बना दिया था।
3. झूम खेती करना, खाद्य संग्रह, काठ कोयला बनाना, रेशम के कीड़े पालना आदि पहाड़िया लोगों के मुख्य व्यवसाय थे और खानाबदोश जीवन जीते थे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. संथाल स्थायी रूप से एक स्थान पर रहते थे और बढ़िया तम्बाकू और सरसों जैसी वाणिज्यिक फसलें उगाते थे। व्यापारी और साहूकारों के साथ लेन देन भी करते थे।

5. पहाडिया लोग असभ्य और बर्बर जीवन जीते थे जबकि संथालों का जीवन कुछ सभ्य था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

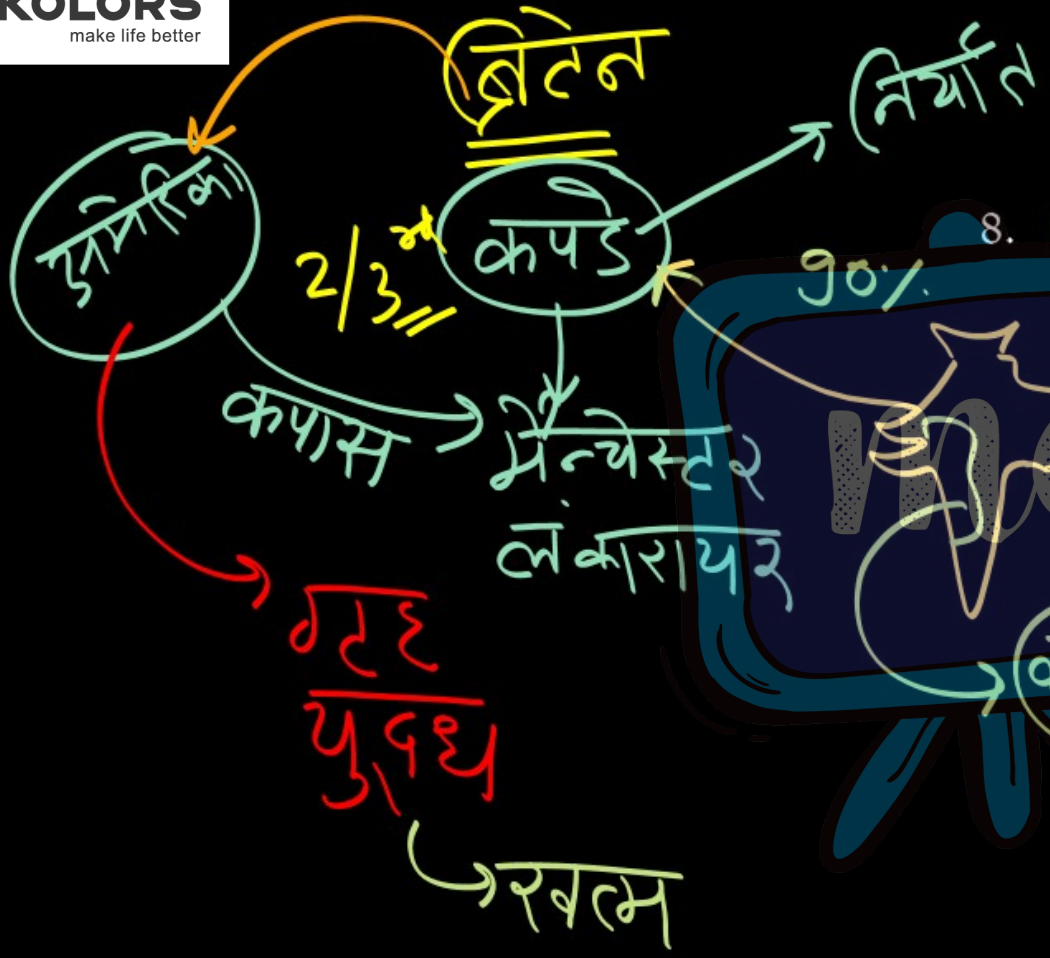

8. अमेरिकी गृह युद्ध ने भारत में रैयत समुदाय के जीवन को कैसे प्रभावित किया?

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2/3 → 3/4

उत्तर :

- जब 1861 में अमेरिका में गृह युद्ध छिड़ गया तो ब्रिटेन के कपास क्षेत्र में तहलका मच गया। अमेरिका से आने वाली कपास में काफी गिरावट आयी। जो लंकाशायर का मैनचेस्ट के वस्त्र उद्योगों के लिए कच्चा माल था।
- ब्रिटेन में कुल कपास का 3/4 भाग अमेरिका से आता था।
- अमेरिकी गृहयुद्ध ने भारत में रैयत समुदाय के जीवन को निम्न तरीके से प्रभावित किया –

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. सरकार ने भारतीय रैयतों को अधिक मात्रा में कपास पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया।
2. सौदागरों को ब्रिटेन की तरफ से अग्रिम राशि उधार दी गयी और सौदागरों ने प्रति एकड़ के हिसाब से 100 रूपये रैयतों को अग्रिम राशि दी जाने लगी।
3. रैयतों के लिए ऋण के स्त्रोत बढ़ गए।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. भारत में खाद्यान्न उत्पादन में कमी आयी और कपास का उत्पादन बढ़ गया। 1862 तक स्थिति यह आयी कि ब्रिटेन में जितना भी कपास का आयात होता था, उसका 90 प्रतिशत भाग अकेले भारत से जाता था।

5. इस तेजी में भी कपास उत्पादकों को समृद्धि प्राप्त नहीं हो सकी। कुछ धनी किसानों को तो लाभ अवश्य हुआ लेकिन अधिकांश किसान कर्ज के बोझ से और अधिक दब गए।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



6. 1865 में अमेरिका में गृहयुद्ध समाप्त हो गया तो वहां कपास का उत्पादन फिर से चालू हो गया। इससे भारतीय कपास की कीमत व निर्यात दोनों में गिरावट आती चली गयी। जिससे कपास उत्पादक रैयतों को काफी नुकसान हुआ।

7. साहूकारों ने रैयत को ऋण देने से मना कर दिया और सरकार द्वारा भू-राजस्व भी बढ़ा दिया गया।